वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली.110 001
Anusandhan Bhawan, 2, Rafi Marg, New Delhi- 110 001

सा०/No. : 5-1(17)/2008-PD

Dated 19.10.2023

प्रेषक : संयुक्त सचिव (प्रशासन)
From : Joint Secretary (Admn.)

सेवा में : सीएसआईआर की सभी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों/मुख्यालय/एककों के निदेशक/प्रधान
To : The Directors/Heads of all CSIR National Labs./Instts./Hqrs./Units

विषय: खादी तथा ग्रामोद्योगी उत्पादों को खरीदने हेतु प्रोत्साहित करने के संबंध में I

महोदय / महोदया,

मुझे, उपरोक्त विषय पर अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अर्धशासकीय पत्र सं. पत्र संख्या सी.एस./01-9/2023 दिनांक 29.09.2023 को आपकी जानकारी, मार्गदर्शन और अनुपालन के साथ लिए अग्रेषित करने का निदेश हुआ है I

भवदीय,

19/X/2023

(एम. अरुण मणिकण्ड भारति)
अवर सचिव (नीति प्रभाग)

संलग्न. : यथोपरि

प्रतिलिपि:

1. सी.एस.आई.आर. वेबसाइट
2. कार्यालय प्रति

Phones : EPABX-23710138, 23710144, 23710158, 23710468, 23710805, 23711251, 23714238, 23714249, 23714769, 23715303
Fax : 91-11-23714788
Website : http://www.csir.res.in

मनोज कुमार
MANOJ KUMAR

अध्यक्ष
CHAIRMAN
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
KHADI & VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
भारत सरकार
Government of India

Office of the Minister of State (I/C) S&T
Despatch 2306
Dt. 06/10

अ.शा.सं. : सी.एस./01-9/2023

दिनांक: 29.9.2023

आदरणीय महोदय,

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय (केवीआईसी) के अंतर्गत कार्यरत **'खादी और ग्रामोद्योग आयोग'**, पिछले 9 वर्षों में उत्पादन, बिक्री और रोजगार सृजन के क्षेत्र में नित नये रिकॉर्ड बना रहा है। मुझे आपको बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि वित्तवर्ष 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री ने जहां **1.34 लाख करोड़ रुपये** के आंकड़े को पार किया; वहीं **9.54 लाख नये रोजगार** का सृजन हुआ। भारत की विरासत और पूज्य बापू की खादी अब **'वैश्विक ब्रांड'** बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

खादी की उन्नति से ग्रामीण भारत में कार्यरत खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े लाखों गरीब कारीगरों में नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। जैसा की आप जानते हैं भारत का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इन उद्योगों को शक्ति मिले बिना **'आत्मनिर्भर भारत' और 'लोकल टू ग्लोबल'** की संकल्पना साकार नहीं हो सकती है।

केवीआईसी से जुड़ी **संस्थाएं और कारीगर** खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की एक विस्तृत स्वदेशी श्रृंखला का उत्पादन करते हैं। खादी और ग्रामोद्योग उत्पाद बहुत कम कार्बन फुटप्रिंट के साथ उत्पादित होते हैं और ये सभी पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ प्रथाओं का उपयोग करके बनाए-जाते है। अतः मेरा आपसे विनम्र आग्रह है कि आप अपने मंत्रालय के अन्तर्गत आनेवाले सभी सरकारी विभागों को खादी तथा ग्रामोद्योगी उत्पादों को खरीदने हेतु प्रोत्साहित करें जिससे हमारे स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिले और ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो।

इस प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हेतु आपके बहुमूल्य समय की प्रतीक्षा में ।

सादर,

आपका स्नेहाकांक्षी

(मनोज कुमार)

डॉ. जितेंद्र सिंह
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान; प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री; कार्मिक मंत्रालय लोक शिकायत और पेंशन; परमाणु विभाग, ऊर्जा; तथा अंतरिक्ष विभाग
भारत सरकार, नई दिल्ली

"Khadi for Nation
Khadi for Fashion,,

Khadi India

VOCAL FOR LOCAL